एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र – व्याकरण एवं निबन्ध

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) वाक्यपदीयम्– भर्तृहरि (ब्रह्मकाण्ड), 1–75 वीं कारिका पर्यन्त व्याख्या।

(ब) संस्कृत निबन्ध लेखन।

सहायक पुस्तकें

1. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)– पं0 रामगोविन्द शुक्ल
2. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)– डॉ0 शिवशंकर अवस्थी
3. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)– डॉ0 वामदेव आचार्य
4. भाषातन्त्र और वाक्यपदीयम– डॉ0 सत्यकाम वर्मा
5. संस्कृत निबन्धशतकम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
6. संस्कृत निबन्धावली– डॉ0 हरिनारायण दीक्षित
7. संस्कृत निबन्धांजलि– डॉ0 रामकृष्णाचार्य
8. संस्कृत निबन्धादर्श– डॉ0 राममूर्ति शर्मा
9. व्याकरण शास्त्र का इतिहास– पं0 युधिष्ठिर मीमांसक
10. व्याकरण दर्शन– पं0 युधिष्ठिर मीमांसक

अंक विभाजन

1.	वाक्यपदीयम् से दो कारिकाओं की व्याख्याएँ	02x10= 20 अंक
2.	वाक्यपदीयम् से एक आलोचानात्मक प्रश्न	01X10= 10 अंक
3.	वाक्यपदीयम् से दो टिप्पणी	02x05= 10 अंक
4.	निबन्ध लेखन (संस्कृत में अनिवार्य)	25 अंक
5.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 = 10 अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम.ए. (चतुर्थ सत्रार्द्ध /सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत नाट्य एवं चम्पू

पूर्णांक– 100 (75+25)

(अ) मृच्छकटिकम्– शूद्रक प्रणीत

(ब) नलचम्पू– त्रिविक्रम भट्ट (प्रश्न उच्छ्वास)

सहायक पुस्तकें –

1. मृच्छकटिकम्– रमाकान्त द्विवेदी
2. मृच्छकटिकम्– निरूपण विद्यालंकार
3. मृच्छकटिकम्– सुधांशु पन्त
4. महाकवि शूद्रक– रमाशंकर तिवारी
5. नलचम्पू– प्रो0 कैलाशपति त्रिपाठी
6. चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक अध्ययन– प्रो0 छविनाथ त्रिपाठी

अंक विभाजन

1.	मृच्छकटिकम् से दो व्याख्या	02x7.5= 15 अंक
2.	मृच्छकटिकम् से चरित्र चित्रण	01X10= 10 अंक
3.	मृच्छकटिकम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01x10= 10 अंक
4.	नलचम्पू से ए गद्य तथा एक पद्य व्याख्या	02x10= 20 अंक
5.	नलचम्पू से एक समीक्षात्मक प्रश्न	01X10= 10 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 = 10 अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम0ए0 (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्न पत्र – (वैकल्पिक) आधुनिक संस्कृत नाटक

पूर्णांकः 100 (75+25)

(अ) भारतविजय नाटकम् – महामहोपाध्याय पं0 मथुराप्रसाद दीक्षित

(ब) गोपालबन्धुः – डॉ0 हरिनारायण दीक्षित

सहायक पुस्तकें

1. भारतविजय नाटकम् – म0म0पं0 मथुराप्रसाद दीक्षित
2. गोपालबन्धुः – डॉ0 हरिनारायण दीक्षित
3. आधुनिक संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय
4. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त– डॉ0 रमाकान्त त्रिपाठी

अंक विभाजन

1.	गोपालबन्धुः नाटक से दो व्याख्याऐं	10x2= 20 अंक
2.	गोपालबन्धुः नाटक से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 अंक
3.	भारतविजयनाटकम् से दो व्याख्याएँ	02x10= 20 अंक
4	भारतविजयनाटकम् से एक चरित्र चित्रण	07 अंक
5.	भारतविजयनाटकम् से एक समीक्षात्मक प्रश्न	08 अंक
6.	बहुविकल्पीय प्रश्न 10(प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01x10 = 10 अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम0ए0 (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न पत्र – काव्यशास्त्र

पूर्णांकः 100 (75+25)

(अ) काव्यालंकार सूत्रवृत्ति – वामन प्रणीत (प्रथम एवं द्वितीय अधिकरण)

(ब) ध्वन्यालोक – आनन्दवर्धन प्रणीत (प्रथम उद्योत)

सहायक पुस्तकें :–

1. काव्यालंकार सूत्राणि – हरगोविन्द शस्त्री
2. काव्यालंकार सूत्रवृत्ति– डॉ0 बेचन झा
3. ध्वन्यालोक– आचार्य विश्वेश्वर
4. ध्वन्यालोक– जगन्नाथ पाठक
5. ध्वन्यालोक– रामसागर त्रिपाठी
6. भामह और वामन के काव्यसिद्धान्त – रमण कुमार शर्मा
7. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका– नगेन्द्र
7. भारतीय साहित्यशास्त्र– आचार्य बलदेव उपाध्याय
8. भारतीय काव्यशास्त्र मीमांसा– डॉ0 हरिनारायण दीक्षित एवं डॉ0 किरण टण्डन
9- History of Sanskrit Poetics- Prof. P.V. Kane
10- History of Sanskrit Poetics – Prof. S.K. De

अंक विभाजन

1	काव्यालंकार सूत्रवृत्ति से चार सूत्रों की व्याख्या	04X05 = 20अंक
2	काव्यालंकार सूत्रवृत्ति से दो टिप्पणी	02X05 = 10अंक
3	ध्वन्यालोक से दो कारिकाओं की व्याख्या	02X10 = 20अंक
4	ध्वन्यालोक से एक आलोचनात्मक प्रश्न	01X10 = 10अंक
5	ध्वन्यालोक अथवा काव्यालंकार सूत्रवृत्ति के कर्त्ता से सम्बन्धित एक प्रश्न	05 अंक
6	बहुविकल्पीय प्रश्न 10 (प्रत्येक 1अंक) सभी प्रश्न अनिवार्य	01X10 = 10अंक

एम.ए. संस्कृत सेमेस्टर पाठ्यक्रम 2017–18 सत्र से प्रवर्तित

एम0ए0 (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्नपत्र – मौखिकी

पूर्णांकः100

नोट :– मौखिकी परीक्षा चतुर्थ सत्रार्ध/सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों के लिए

टिप्पणी– (अ) एम. ए. के प्रत्येक सत्र के पाठ्यक्रम के आलोक में लिखित परीक्षा की समाप्ति के पश्चात् संस्कृत विभाग में निर्धारित तिथि को मौखिक परीक्षा सम्पन्न होगी, जिसकी सूचना परीक्षार्थियों को उनकी अन्तिम लिखित परीक्षा के दिन दे दी जायेगी। मौखिकी के समय समस्त परीक्षार्थियों को तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर की अपनी मूल अंकतालिका परीक्षकों के समक्ष अनिवार्यतः प्रस्तुत करनी होगी।

(ब) प्रत्येक प्रश्न पत्र में 75 अंक लिखित प्रश्न पत्र हेतु निर्धारित है, जिसका पाठ्यक्रम उपर्युक्त प्रकार से विभाजन पूर्वक दिया गया है।

(स) प्रत्येक प्रश्न पत्र में 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं, जिसके मूल्यांकन का आधार छात्र की उपस्थिति, अनुशासन तथा एसाइन्मेंट एवं प्रजेंटेशन (प्रस्तुतीकरण) होगा।

———————